सत्यमेव जयते

पंच गौरव - जिला सलूम्बर

जिला प्रशासन सलूम्बर

मार्गदर्शन	:	**श्री अवधेश मीणा,** आईएएस, जिला कलक्टर, सलूम्बर
		श्रीमती राजलक्ष्मी गहलोत, अतिरिक्ति जिला कलक्टर, सलूम्बर
संपादन	:	**पुष्पक मीणा,** जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी, सलूम्बर
सहयोग	:	**पवन मेहता,** सहायक प्रोग्रामर,
		अभिमन्यु नागदा, निजी सहायक, जिला कलक्टर, सलूम्बर
		सुर्यभान सिंह चुण्डावत, वरिष्ठ सहायक, जिला कलक्टर कार्यालय, सलूम्बर
मुद्रण	:	न्यूट्रेक ऑफसेट प्रिन्टर्स, उदयपुर

सत्यमेव जयते

मुख्यमंत्री
राजस्थान

संदेश

राजस्थान को अपनी भौगोलिक विविधताओं, प्राकृतिक संपदा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। यहां हर जिले की अपनी एक विशिष्ट पहचान है, जो वहां की उपज, हस्तशिल्प, औद्योगिक उत्पाद, खनिज संपदा और पर्यटन स्थलों में परिलक्षित होती है। इन विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने पंच–गौरव कार्यक्रम की शुरूआत की है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक जिले की क्षमता एवं विशिष्टता को पहचानते हुए उनके संरक्षण, संवर्धन तथा विकास के माध्यम से जिलों को एक मजबूत सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान प्रदान करना है।

इस कार्यक्रम के तहत हर जिले में **पंच गौरव के रूप में एक उत्पाद, एक उपज, एक वनस्पति प्रजाति, एक खेल और एक पर्यटन स्थल चिह्नित** किया गया है। यह पहल जिलों की विरासत एवं पर्यावरण के संरक्षण में सहायक होगी और इससे आर्थिक उन्नति तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

मुझे विश्वास है कि पंच गौरव कार्यक्रम से आमजन के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर, कौशल उन्नयन, उत्पादकता में वृद्धि एवं विभिन्न क्षेत्रों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना उत्पन्न करने में मदद मिलेगी। साथ ही हमारे संयुक्त प्रयासों से विकसित राजस्थान का सपना भी साकार होगा।

जिले में पंच–गौरव कार्यक्रम अपने उद्देश्यों को हासिल करने में सफल हो, इसके लिए में अपनी हार्दिक शुभकामनाए प्रेषित करता हूं।

(भजन लाल शर्मा)

सत्यमेव जयते

हेमन्त मीणा

राजस्व एवं उपनिवेशन मंत्री
जिला प्रभारी मंत्री, सलूम्बर

संदेश

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा शुरू किए गए पंच गौरव कार्यक्रम के तहत राजस्थान के प्रत्येक जिले की अनूठी विरासत, उत्पाद व खेल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक जिले में एक उपज, एक उत्पाद, एक वनस्पति प्रजाति, एक पर्यटन स्थल और एक खेल को चिन्हित कर संरक्षित व विकसित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय उद्योगों, कृषि, पर्यटन, वनस्पति संरक्षण, खेल और पारंपरिक शिल्प को बढ़ावा देना है।

सलूम्बर जिले के पंच गौरव की यह पुस्तिका हमारे जिले की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का एक प्रमाण है। यह पुस्तिका उन पांच अनमोल रत्नों को दर्शाती है जो हमारे जिले को अद्वितीय बनाते हैं। मुझे उम्मीद है कि यह पुस्तिका हमारे जिले की गौरवशाली विरासत को संजोने और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने में सहायक होगी।

(हेमन्त मीणा)
राजस्व एवं उपनिवेशन मंत्री
जिला प्रभारी मंत्री, सलूम्बर

शांता अमृतलाल मीणा

विधायक, सलूम्बर

संदेश

सलूंबर जिले की सांस्कृतिक, प्राकृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि को पंच गौरव कार्यक्रम के माध्यम से पहचान देना यशस्वी मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की दूरदर्शी सोच का प्रमाण है। जिले द्वारा एक जिला एक उत्पाद में क्वार्ट्ज, एक खेल में कबड्डी, एक जिला एक वनस्पति प्रजाति में पलाश, एक उपज में मक्का तथा एक गंतव्य में जयसमंद का चयन, जनसामान्य को गौरव और पहचान की भावना से जोड़ता है।

इन गौरवों की जानकारी से सुसज्जित 'पंच गौरव जिला सलूंबर पुस्तिका, न केवल जिले की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुँचाएगी, बल्कि पर्यटन, रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन देगी।

इस प्रयास के लिए जिला प्रशासन तथा समस्त टीम को हार्दिक शुभकामनाएं।

शान्ता देवी

(शांता अमृतलाल मीणा)

विधायक, सलूम्बर

सत्यमेव जयते

प्रज्ञा केवलरमानी

संभागीय आयुक्त
जिला प्रभारी सचिव, सलूम्बर

संदेश

पंच गौरव कार्यक्रम, जिलों की विशिष्ट पहचान को उभारने और स्थानीय संसाधनों को विकास से जोडने की शासन की एक अत्यंत प्रभावशाली पहल है। सलूम्बर जिले द्वारा पलाश, कबड्डि, मक्का, जयसमन्द व क्वार्टस उत्पाद के रूप में चयनित पंच गौरव जिले की बहुआयामी क्षमताओं को रेखांकित करते है।

उपरोक्त गौरवों पर आधारित 'पंच गौरव' जिला सलूम्बर पुस्तिका, जिले के इतिहास, आर्थिक संभावनाओं एवं विकास योजनाओं की जानकारी को समाहित करते हुए, आमजन एवं पर्यटकों के लिए एक उपयोगी दस्तावेज सिद्ध होगी। यह उपक्रम जिले को नई पहचान दिलाने में सहायक होगी।

इस सार्थक प्रयास के लिए शुभकामनाएं एवं जिले के उत्तरोतर विकास की कामना करती हूँ।

(प्रज्ञा केवलरमानी)
संभागीय आयुक्त
जिला प्रभारी सचिव, सलूम्बर

अवधेश मीणा
जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट
सलूम्बर

संदेश

राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सर्वांगीण विकास एवं जनकल्याण के लिए एवं सतत् रूप से क्रियान्वित की जा रही योजनाओं एवं नवाचारों के अंतर्गत, राज्य सरकार के सफलतम एक वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों के सुअवसर पर प्रदेश के समस्त जिलों में 'पंच गौरव कार्यक्रम' का शुभारम्भ किया गया है।

सलूंबर जिले में पंच गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत एक जिला एक उत्पाद में क्वार्ट्ज, एक जिला एक खेल में कब्बड्डी, एक जिला एक प्रजाति में पलाश, एक जिला एक उपज में मक्का, तथा एक जिला एक गंतव्य में जयसमंद का चयन किया गया है। जिला प्रशासन सलूंबर द्वारा इन पंच गौरवों के क्षेत्र में नवाचारों एवं विकासोन्मुखी योजनाओं के समन्वय से दीर्घकालिक कार्य योजना तैयार कर, संबंधित विभागों के सहयोग से सतत् एवं लक्षित प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे जिले को सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रगति के पथ पर अग्रसर किया जा रहा है।

इन पंच गौरवों के ऐतिहासिक महत्व, आर्थिक लाभ, क्षेत्रीय विकास में भूमिका, भावी कार्ययोजना एवं छायाचित्रों का समावेश करते हुए 'पंच गौरव जिला सलूंबर नामक एक पुस्तिका का प्रकाशन किया जा रहा है। यह पुस्तिका जिले की गौरवशाली विरासत से परिचय कराने के साथ–साथ एक समृद्ध सूचना स्रोत के रूप में भी उपयोगी सिद्ध होगी।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि 'पंच गौरव जिला सलूंबर पुस्तिका, जिले की विशिष्ट पहचान को सुदृढ़ करने एवं विकासोन्मुख प्रयासों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं।

(अवधेश मीणा)
जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट
सलूम्बर

अनुक्रमणिका

क्रम सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	सलूम्बर एक नजर में	1
2	एक जिला एक उपज – मक्का	2
3	एक जिला एक वनस्पति प्रजाति – पलाश	3
4	एक जिला एक खेल – कबड्डी	4
5	एक जिला एक पर्यटन स्थल – जयसमन्द	5
6	एक जिला एक उत्पाद – कवार्टज	6

सलूम्बर एक नजर में			
क.सं.	मद	इकाई	सलूम्बर
1	जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल	वर्ग कि.मी	4259.69
2	लोक सभा क्षेत्र	संख्या	1
3	विधान सभा क्षेत्र	संख्या	1
5	उपखण्ड	संख्या	4
6	तहसील	संख्या	5
7	उप तहसील	संख्या	2
8	पंचायत समिति	संख्या	6
9	नगर परिषद	संख्या	1
10	नगर पालिका	संख्या	–
11	ग्राम पंचायत	संख्या	157
12	कुल राजस्व ग्रम	सख्या	620
13	जनसंख्या (2011)	संख्या	607825
14	पटवार मंडल	संख्या	131
15	भू.अ.नि. वृत्त(गिरदावल सर्कल)	संख्या	30

जिला सलूम्बर

पंच गौरव

मक्का

क्वार्ट्ज

पलाश

जयसमंद

कबड्डी

प्रस्तावना

राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिये पंच गौरव कार्यक्रम हर जिलें में प्रारम्भ किया गया है इसमें जिलें की क्षमता एवं क्षेत्र विभिन्न में विशिष्टता के आधार पर उत्पादों एवं स्थलों का चयन कर उनकें संरक्षण, सवर्धन एवं विकास के माध्यम सें जिलें को एक मजबूत सांस्कृतिक एवं आर्थिक पहचान दिलाई जा रही है।

सलूम्बर जिला ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक क्षेत्र के साथ–साथ प्राकृतिक सम्पदा में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है जिलें के पंचगौरव के रूप में पर्यटन स्थल में जयसमन्द झील, उपज में मक्का, खेल में कबड्डी, उत्पाद में क्वार्ट्ज एवं वनस्पति प्रजाति में वन की आशा कहें जाने वालें पलाश वृक्ष को शामिल किया गया है। जिलें के इन पंच गौरवों सें सलूम्बर जिलें की एक विशेष पहचान बनेंगी इससें जिलें में पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ आर्थिक उन्नति एवं नए रोजगार के अवसर पैदा होंगें।

पंच गौरव

एक जिला एक उपज	मक्का	कृषि विभाग
एक जिला एक वनस्पति प्रजाति	पलाश	जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग
एक जिला एक खेल	कबड्डी	खेल विभाग
एक जिला एक पर्यटन स्थल	जयसमन्द	पर्यटन विभाग
एक जिला एक उत्पाद	क्वार्ट्ज	उद्योग विभाग

एक जिला एक उपज – मक्का

मक्का फसल सलूम्बर जिलें की मुख्य फसल है जिसका जिलें मे बुवाई क्षैत्र 39 हजार हेक्टेयर है एवं मक्के की फसल खाद्यान्न के रूप में जनजाति क्षैत्र में मुख्य रूप से उपयोग मे ली जाती है। साथ ही पहाडी क्षैत्र में भी मक्कें की आसानी से उपज हो जाती है एवं मक्का की फसल मृदा अपरदन रोकनें में भी सहायक है इसलियें जिले में इसे और ज्यादा प्रोत्साहित किया जा रहा है एवं इसमें अन्य उत्पाद भी बनाए जा सकते है।

कार्य योजना में प्रस्तावित प्रमुख कार्य/गतिविधियां–

1. मक्का उपज क्रय केन्द्र
2. मक्का प्रसंस्करण इकाई की स्थापना
3. मक्का उत्पादों का विपणन केन्द्र
4. मक्का फसल की नवीनतम किस्मों की जानकारी का प्रचार प्रसार करना
5. मक्का फसल व उसके उत्पादो के उपयोग के प्रति जागरूकता पैदा करना
6. नवीन किस्मों के बीज की उपलब्धता करवाना
7. मक्का फसल उपज का वेल्यु एडीशन, प्रसंस्करण व उत्पादों को तैयार कर विपणन हब बनाना

कार्ययोजना के क्रियान्वयन हेतु अनुमानित कुल व्यय तथा पंच गौरव कार्यक्रम से प्रस्तावित कार्य एवं व्यय (लाख रूपयें में)–

- मक्का उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना
- क्रियान्वयन हेतु अनुमानित कुल व्यय 200
- पंच गौरव कार्यक्रम से प्रस्तावित – 100

मक्के की प्रजातियाँ

मक्के की फसल

एक जिला एक वनस्पति प्रजाति - पलाश

परिचय– राजस्थान सरकार की प्रथम वर्षगांठ पर प्रदेश के सभी जिलों के पंचमुखी विकास को बढावा देने के लिए पंच गौरव कार्यक्रम शुरू किया गया है। जिसके अन्तर्गत सलूम्बर जिले में एक उपज एक वनस्पति प्रजाति के तौर पर पलाश पर विशेष ध्यान केन्द्रित कर यथा अनुरूप इनके प्रोत्साहन, संरक्षण एवं विकास की गतिविधियां चलाई जायेंगी।

पलाश –वानस्पतिक नाम– Butea monosperma

हिन्दी नाम– ढाक

स्थानीय भाषा में– खाखरा (धोला खाखरा), टेसू

ढाक एक बहु उपयोगी पेड़ है। जो विभिन्न आर्थिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक लाभ प्रदान करता है। पलाश के फूल, बीज, पत्तियां और छाल का उपयोग हर्बल गुलाल, रंगो, दवाओं ,पतल दौने एवं उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला में किया जाता है।

उपलब्धता–सलूम्बर जिले में पलाश मुख्यत: सराड़ा, सेमारी एवं लसाड़िया क्षेत्र में बहुतयात में पाया जाता है।

पलाश का फूल – पलाश के फूल फाल्गुन माह के अन्त में व चैत्र माह (मार्च–अप्रेल) में आते हैं।

योजना और क्रियान्वयन

स्थानीय किसानों, महिलाओं, स्वयं सहायता समूह, वनधन विकास केन्द्रों एवं गैर सरकारी समूह, सरकारी विभाग कृषि, उद्यान विभाग, पंचायती राज, एवं अन्य सरकारी एजेंसी को शामिल कर एक पलाश मूल्य संवर्धित प्रसंस्करण केन्द्र की स्थापना हेतु राजस संघ के सहयोग से प्रस्ताव तैयार किया गया है। जिसकी लागत 1.50 करोड रूपये होगी।

कार्य योजना में प्रस्तावित प्रमुख कार्य/गतिविधिया–

स्थानीय किसानों महिलाओं, स्वयं सहायता समूह, वनधन विकास केन्द्रों एवं गैर सरकारी समूह, सरकारी विभाग, कृषि, उद्यान विभाग, पंचायती राज, एवं अन्य सरकारी एजेंसी को शामिल कर एक पलाश मूल्य संवर्धित प्रसंस्करण केन्द्र की स्थापना हेतु राजस संघ के सहयोग से प्रस्ताव तैयार किया गया है।

होली के अवसर पर पलाश से हर्बल गुलाल उत्पादन
धराल माता वनधन विकास केन्द्र, नठारा पाल सराड़ा

325 किलोग्राम से अधिक हर्बल गुलाल इस वर्ष बनाया गया

कार्ययोजना के क्रियान्वयन हेतु अनुमानित कुल व्यय तथा पंच गौरव कार्यक्रम से प्रस्तावित व्यय (लाख रूपयें में)–

– क्रियान्वयन हेतु अनुमानित कुल व्यय – 150

– पंच गौरव कार्यक्रम से प्रस्तावित – 52

एक जिला एक खेल – कबड्डी

कार्ययोजना में प्रस्तावित प्रमुख कार्य/गतिविधिया–

1. जिला मुख्यालय पर स्टेडियम निर्माण प्रस्तावित है।

2. प्रत्येक राजस्व ग्राम/ग्राम पंचायत/ब्लॉक स्तर पर कबड्डी का मिट्टी का मैदान बनवाया जाएगा।

3. ग्राम पचायत स्तर/ब्लॉक स्तर/जिला स्तर पर सलूम्बर कबड्डी प्रिमियम लीग का आयोजन करवाना।

4. ग्राम पंचायतो/ब्लॉको के मध्य पंच गौरव को प्रोत्साहित करने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना उत्पन्न करना एवं नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

एक जिला एक पर्यटन स्थल - जयसमंद

जयसमन्द झील विश्व की दूसरी तथा एशिया की पहली मीठे पानी की कृत्रिम सबसे बड़ी झील होने का गौरव प्राप्त है। अपने प्राकृतिक परिवेश और बाँध की स्थापत्य कला की सुन्दरता से यह झील वर्षों से पर्यटकों के आकर्षण का महत्त्वपूर्ण स्थल बनी हुई है। इसका निर्माण उदयपुर के महाराणा जयसिंह द्वारा 1687–1691 में निवास के लिए करवाया गया था।

जयसमंद झील के सबसे बड़े टापू का नाम बाबा का भाखड़ा व सबसे छोटे टापू का नाम प्यारी है। जयसमन्द झील का मुल नाम ढेबर है और महाराणा जयसिंह के नाम पर इसे 'जयसमन्द' कहा जाने लगा। जयसमन्द में पानी की आवक के लिए गौतमी व झामरी नदी और वगुरवा नाला प्रमुख हैं।

जयसमन्द झील के निकट वन एवं वन्यजीव प्रेमियों के लिए वन विभाग द्वारा वन्यजीव अभयारण्य भी बनाया गया है। यहाँ एक मछली पालन का अच्छा केन्द्र भी है। झील की खूबसूरती और प्राकृतिक परिवेश की कल्पना इसी से की जा सकती है कि अनेक फ़िल्मकारों ने अपनी फ़िल्मों में यहाँ के द्रश्यों को कैद किया है। सड़क के किनारे सघन वनस्पति एवं वन होने से उदयपुर से जयसमंद झील पहुँचना भी अपने आप में किसी रोमांच से कम नहीं है।

कार्य योजना में प्रस्तावित प्रमुख कार्य/गतिविधिया–

1. जयसमंद प्रवेश द्वार का निर्माण, जयसमंद बस स्टेण्ड से पाल तक के मार्ग मे रेलिंग,पौधारोपण, सौदर्यकरण एवं लाईटिग कार्य, सेल्फी पॉईंट्स का निर्माण,
2. जयसमंद पाल पर पार्किग एरिया में इन्टरलॉकिंग टाईल्स लगवाना
3. पर्यटन सुविधा हेतु आरओ मशीन मय वाटर कुलर एवं टिकिट विण्डो बनावाना
4. जयसमंद पाल पर पर्यटक सुविधा हेतु कैफेटेरिया निर्माण कराना
5. पर्यटक सुविधा हेतु जयसमंद पाल से हवामहल तक ईको ट्रेल की निर्माण कराना
6. पर्यटक सुविधा हेतु जयसमंद पाल से रूठीरानी महल तक ईको ट्रेल की मरम्मत एवं कॉजवे निर्माण कराना
7. जयसमंद पाल एवं हवामहल पर लाईटिग कार्य करना
8. ईको पर्यटन को बढावा देने हेतु झुमरबावडी में ईकोटूरिज्म एक्टिविटी शुरू करवाना
9. जयसमंद पाल एवं छतरियों का रंगरोगन कार्य, पाल पर गार्डन में झूले एवं चाइल्ड प्ले एक्टिविटी बनवाना
10. जयसमंद पाल पर रेस्टहाउस का रंगरोगन एवं मरम्मत कार्य
11. जयसमंद बस स्टेण्ड के पास कमल तलाई एवं गार्डन विकसित करना एवं अस्थाई पार्किग विकसित करना

12 प्रदर्शन बोर्ड व प्रचार–प्रसार पर व्यय

कार्ययोजना के क्रियान्वयन हेतु अनुमानित कुल व्यय तथा पंच गौरव कार्यक्रम से प्रस्तावित व्यय (लाख रूपयें में)–

– क्रियान्वयन हेतु अनुमानित कुल व्यय – 200

– पंच गौरव कार्यक्रम से प्रस्तावित – 100

एक जिला एक उत्पाद - क्वार्ट्ज

संलूम्बर जिला अपने क्वार्ट्ज भंडार के लिए जाना जाता है जो कि भारत में उच्च श्रेणी के क्वार्ट्ज संसाधनों का महत्वपूर्ण स्त्रोत बनता जा रहा है।

राजस्थान और विशेष रूप से संलूम्बर जैसे क्षेत्रों को उनके समृद्ध खनिज भंडारों के कारण भारत में क्वार्ट्ज का एक प्रमुख स्त्रोत माना जाता है।

सलूम्बर जिले में ओडीओपी का प्रमुख उत्पादन केन्द्र :–

जिले में लगभग 41 खनन इकाइयां ''क्वार्टज'' की स्थापित है जिले में क्वार्टज इकाइयों द्वारा वार्षिक 54090 मै. टन का उत्पादन किया जाता है।

औद्योगिक प्रोत्साहन शिविरों में एक जिला एक उत्पाद योजना एवं विभाग की अन्य विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। विभाग की मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना एवं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना अंतर्गत लाभान्वित किया जाता है। समय–समय पर आयोजित विवाद एवं शिकायत निवारण तंत्र की बैठक में उद्योग संघों को अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर आयोजित होने वाले एक्सपो/प्रदर्शनी आदि के बारे में जानकारी देकर भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना–2010, 2014, 2019, 2022 एवं 2024 अंतर्गत लाभान्वित किया जावेगा। वर्तमान में केन्द्र सरकार के जेम पोर्टल पर भी उद्यमियों को इकाई के पंजीयन हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

राजस्थान सरकार द्वारा एक जिला एक उत्पादको बढ़ावा देने के उदेश्य से ''एक जिला एक उत्पाद पॉलीसी–2024'' जारी की गयी है। पंचगौरव के तहत एक जिला एक उत्पाद (क्वार्टज के उत्पाद) को बढ़ावा देने हेतु निम्न प्रकार से कार्य योजना प्रस्तावित है–

1. जिले के ओडीओपी उत्पाद से संबंधित उत्पादों का डेटा बेस तैयार किया जाना जिसमें उपक्रम का समस्त विवरण, वार्षिक क्षमता, रोजगार, निर्यात का विवरण आदि जानकारी शामिल हो।

2. ओडीओपी उत्पाद से संबंधित उत्पाद को एवं शिल्पियों को प्रतिनिधित्व की दृष्टि से एक एसोसिएशन /संघ/संस्थान का गठन कराते हुये उनके पदाधिकारी से संबंधित सूचना संकलित किया जाना।

3. जिले के ओडीओपी उत्पादों के प्रचार–प्रसार हेतु आवश्यकतानुसार बुकलेट/ब्रोशर, लघु फिल्म, कौफी टेबल बुक आदि तैयार करना।

4. राजस्थान सरकार द्वारा एक जिला एक उत्पाद को बढावा देने के उदेश्य से ''एक जिला एक उत्पाद पॉलिसी–2024'' के तहत ''पंच गौरव संवर्द्धन'' हेतु निम्न प्रावधान किए गए है :–

नवीन सूक्ष्म उद्यमों को 25 प्रतिशत या अधिकतम 15 लाख रूपए एवं लघु उद्यमों को 15 प्रतिशत या अधिकतम 20 लाख रूपए तक मार्जिन मनी अनुदान सहायता।

सूक्ष्म व लघु उद्यमों को एडवांसड टेक्नोलॉजी व सॉफ्टवेयर पर 50 प्रतिशत या 5 लाख रूपए का अनुदान ।

क्वालिटी सर्टिफिकेशन व आईपीआर पर 75 प्रतिशत या 3 लाख रूपए तक पुनर्भरण।

विपणन आयोजनों में भाग लेने के लिए 02 लाख तक सहायता ।

कॉमर्स प्लेटफॉर्म फीस पर 75 प्रतिशत या 1 लाख रूपए प्रतिवर्ष का 2 साल तक पुनर्भरण।

जिला प्रशासन,
सुचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय सलूम्बर